माता गायत्री के मंत्र

मां गायत्री की पूजा के दौरान इस मंत्र को पढ़ते हुए वस्त्र अथवा ओढ़नी चढ़ाना चाहिए-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्मवरूथमासदत्स्वः |
वासोग्ने विश्वरूपर्ठ संव्ययस्व विभावसो ||
Om Sujaato Jyotisha Sah Sharmvaroothamaasadatsvah |
Vaasogne Vishvarooparth Vibhavaso ||
****

मां गायत्री की पूजा में उन्हें इस मंत्र के द्वारा मुकुट चढ़ाना चाहिए-

मातस्तवेमं मुकुटं हरिन्मणि-प्रवाल-मुक्तामणिभि-र्विराजितम् |
गारूत्मतैश्चापि मनोहरं कृत गृहाण मातः शिरसो विभूषणम् ||
Maatastavemam Mukutam Harinmani-Pravaal-Muktaamanibhi-Rviraajitam |
Gaarutmataishchaapi Manoharam Krit Grihaan Maatah Shirso Vibhooshanam ||
****

इस मंत्र के द्वारा मां गायत्री को धूप दिखलाना चाहिए-

दशांगधूपं तव रंजनार्थं नाशाय मे विघ्नविधायकानाम् |
दत्तं मया सौरभचूर्णयुक्तं गृहाण मातस्तव सन्निधौ च ||
Dashaangadhoopam Tav Ranjanaartham Naashaya Me Vighnavidhaayakaanaam |
Dattam Maya Saurabhchoornayuktam Grihaan Maatastav Sannidhau Ch ||
****

मां गायत्री की पूजा में इस मंत्र को पढ़ते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करना चाहिए-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन् |
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः ||
Om Yagyen Yagyamayajant Devaastaani Dharmaani Prahtamaanyaasan |
Te Ha Naakam Mahimaanah Sachant Yatra Poorve Saadhyaah Santi Devah ||
****

मां गायत्री की आरती करते समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए-

इदर्ठ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीरः सर्व्गणर्ठ स्वस्तये |
आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि ||
Idarth Havih Prajananam Me Astu Dashveerah Sarvganarth Svastaye |
Aatmasani Prajaasani Pashusani Lokasanyabhayasani ||
****

मां गायत्री की पूजा में इस मंत्र का उच्चारण करते हुए पूगीफल समर्पण करना चाहिए-

ॐ याः फ़लिनीर्या अफ़ला अपुष्पायाश्च पुष्पिणीः |
बृहस्पतिप्रसूतास्तानो मुंचन्त्वर्ठ हसः ||
Om Yaah Falineeryaa Afalaa Apushpaayashch Pushpineeh |
Brihaspatiprasootaastaano Munchntvarth Hasah ||
****

मां गायत्री की पूजा में इस मंत्र का उच्चारण करते हुए उन्हें पुष्प अर्पित करना चाहिए-

ॐ ओषधीः प्रतिमोददध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः |
अश्चा इव सजित्वरीर्वीरूधः पारियिष्णवः ||
Om Oshadheeh Pratimodadadhvam Pushpvateeh Prasoovarih |
Ashchaa Iv Sajitvareeveenroodhah Paariyishnavah ||
****

मां गायत्री की पूजा के दौरान इस मंत्र को पढ़ते हुए उन्हें ताम्बूल समर्पण करना चाहिए-

कर्पूर्-जातीफ़ल-जायकेन ह्येला-लवंगेन समन्वितेन |
मया प्रदत्तं मुखवासनार्थं ताम्बूलमंगी कुरू मातरेतत् ||
Karpoor-Jaatifal-Jaayaken Hyelaa-Lavangen Samanviten |
Maya Pradattam Mukhavaasanaartham Tamboolmangee Karu Maataretat ||
****

इस मंत्र को पढ़ते हुए मां गायत्री को सिन्दूर समर्पण करना चाहिए-

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्यायाहेतिं परिबाधमानाः |
हस्तघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान्पुमान पुमार्ठ सम्परिपातु विश्वतः ||
Om Ahiriv Bhogaih Paryeti Baahum Jyaayaahetim Paribaadhamaanah |
Hastghno Vishva Vayunaani Vidvaanpumaan Pumaarth Samparipaatu Vishvatah ||
****

मां गायत्री की पूजा के दौरान इस मंत्र का उच्चारण करते हुए उनका आवाहन करना चाहिए-

आयाहि वरदे देवि त्र्यक्षरे ब्रह्मवादिनि |
गायत्रि छन्दसां मातर्ब्रह्मयोने नमोस्तु ते ||
Aayahi Varde Devi Tryakshare Brahmavaadini |
Gayatri Chhandasaam Maatarbrahyayone Namostu Te ||
****